फर्जी ई-चालान से बचने के लिए पुलिस मुख्यालय की एडवाइजरी

वैध-अवैध एस.एम.एस. की पहचान के बाद ही करे ऑनलाइन भुगतान

जयपुर (कासं)। पुलिस मुख्यालय की ओर से यातायात नियमों के उल्लंघन पर नागरिकों को प्राप्त होने वाले ई-चालानों के भुगतान से सम्बंधित लिंक में साइबर ठगों की हेराफेरी के बारे में आम नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। आमजन फर्जी ई-चालानों से बचे तथा वैध और अवैध एसएमएस में अंतर की पहचान कर सके, इसके लिए एडवाइजरी में महत्वपूर्ण और उपयोगी जानकारी का समावेश किया गया है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), साइबर अपराध, एससीआरबी एवं तकनीकी सेवाएं हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि वर्तमान तकनीक युग में नागरिकों द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर उनको ई-चालान- जारी किए जाते है, जो नियमों की अवहेलना करने वाले व्यक्ति के रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर पर एएएमएस द्वारा भेजे जाते हैं। प्रदेश में साइबर अपराधियों द्वारा फर्जी ई-चालान के माध्यम से तकनीकी पेचिदगियों से अनजान लोगों को ठगने के मामले प्रकाश में आए है। आमजन फर्जी ई-चालन के माध्यम से होने वाली धोखधड़ी या जालसाजी के शिकार नहीं हो, इसके लिए यह

- **लोग जागरूक रहें, ई-चालान का मैसेज कभी वॉट्सएप पर नहीं भेजा जाता : प्रियदर्शी**
- **उन्होंने बताया कि ई-चालान के लिए जो मैसेज प्राप्त होता है इसकी वैधता की पहचान या एसएमएस हैडर को जानने के लिए 1909 नम्बर पर एस.एम.एस. भेजा जा सकता है।**

एडवाइलरी जारी की गई है। डीजीपी (साइबर अपराध) ने बताया कि ई-चालान ऑनलाईन वाहनों के चालान रजिस्ट्रेशन के समय दर्ज मोबाईल नम्बर पर केवल एसएमएस द्वारा ही भेजा जाता है, वाट्सएप एप्लीकेशन पर कभी नहीं भेजा जाता है। अधिकृत एसएमएस का हैडर केवल "वाहन" ही होता है। इस एसएमएस संदेश में विभाग द्वारा यातायात नियमों से सम्बंधित विवरण और चालान का भुगतान करने के लिए लिंक भेजा जाता है। साइबर ठग इससे मिलते-जुलते नाम से फर्जी ई-चालान बनाकर ठगी का प्रयास कर सकते है। ऐसे में वे नागरिक जिन्होंने यातायात नियमों का उल्लंघन किया ही नहीं हो, उनको भी फर्जी एसएमएस या वॉटसएप मैसेज भेजकर धोखाधड़ी का शिकार बनाया जा सकता है। उन्होंने नागरिको से अपील की है कि वे फर्जी और वैध एसएमएस की पहचान करके जालसाजी का शिकार होने से बचे।

प्रियदर्शी ने बताया कि ई-चालान के लिए जो मैसेज प्राप्त होता है इसकी वैधता की पहचान या एसएमएस हैडर को जानने के लिए 1909 नम्बर पर एसएमएस भेजा जा सकता है। डीजीपी (साइबर अपराध) ने बताया कि इसके बाद भी यदि भुगतान के लिए प्राप्त ई-चालान पर तनिक भी संदेह हो तो आम नागरिक यातायात पुलिस अधिकारी के पास उपलब्ध पोस मशीन पर चालान नम्बर की जांच के बाद भुगतान कर सकता है। इसके अलावा ई-चालान का भुगतान एप के माध्यम से भी किया जा सकता है।

'आर.यू.एच.एस. अस्पताल को रिम्स के रूप में विकसित करें'

जयपुर । चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध अस्पताल को एम्स की तर्ज पर राजस्थान इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) में विकसित किया जाएगा। इसके लिए प्रभावी एक्शन प्लान बनाते हुए जल्द काम शुरू किया जाएगा। यह काम चरणबद्ध रूप से समय सीमा में पूरा किया जाएगा। आरयूएचएस अस्पताल में सुपर स्पेशलिटी सेवाओं के लिए आवश्यक स्टाफ भी लगाएंगे।

खींवसर गुरूवार को आरयूएचएस में आयोजित बैठक में विश्वविद्यालय, रिम्स के विकास एवं अन्य विषयों पर समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने, सवाई मानसिंह अस्पताल का रोगी भार कम करने एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 750 करोड़ रूपए की लागत से आरयूएचएस को रिम्स के रूप में विकसित करने की घोषणा की है। अधिकारी इस घोषणा को निर्धारित टाइमलाइन में मूर्त रूप दें।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रिम्स के विकास के लिए होने वाले निर्माण कार्यों, जांच एवं उपचार के लिए उपकरणों तथा

- **चिकित्सा मंत्री ने एक्शन प्लान बनाने के दिए निर्देश, 750 करोड़ की लागत से चरणबद्ध रूप से होगा काम**

चिकित्सकों एवं अन्य स्टाफ की आवश्यकताओं का आंकलन कर एक एक्शन प्लान तैयार करें। उन्होंने कहा कि रिम्स के रूप में इस संस्थान का विकास होने से न केवल जयपुरवासियों बल्कि प्रदेशभर से आने वाले रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सुलभ होंगी। खींवसर ने वर्तमान में संचालित स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने, सुपर स्पेशलिटी सेवाओं एवं भावी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए चिकित्सकों एवं अन्य स्टाफ की उपलब्धता की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आईपीडी सेवाओं का पूरा उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक स्टाफ नियोजित किया जाए। साथ ही, आवश्कतानुरूप भर्ती प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाया जाए। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया आरयूएचएस में चिकित्सक व अन्य स्टाफ नियोजित करने के विभिन्न विकल्पों पर काम किया जा रहा है।

सार-समाचार

विद्यार्थियों ने केस स्टडी की प्रस्तुति दी

जयपुर । राजस्थान विश्वविद्यालय के व्यावसायिक प्रशासन विभाग में एम.कॉम (व्यावसायिक प्रशासन) प्रथम सेमेस्टर के छात्रों द्वारा केस स्टडी प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीन और विभाग अध्यक्ष प्रो. प्रदीप शर्मा उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में प्रो. कृष्णा अग्रवाल मौजूद रहे। कार्यक्रम के प्रभारी प्रो. सरला शर्मा और प्रो. सुकांत शर्मा रहे, जबकि कार्यक्रम का संयोजन और आयोजन डॉ. यदुवीर यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कई समसामयिक और व्यावसायिक प्रबंधन से जुड़े विषयों पर केस स्टडी प्रस्तुत की। इनमें "मानव संसाधन का भविष्य," "कृत्रिम बुद्धिमत्ता" "व्यवसाय शिष्टाचार" और कर्मचारी प्रशिक्षण एवं विकास" जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्तुतियाँ दी गईं। छात्रों ने इन विषयों पर गहन अध्ययन और विश्लेषण प्रस्तुत कर अपने कौशल और ज्ञान को प्रदर्शित किया। मुख्य अतिथि प्रो. प्रदीप शर्मा ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभाशाली छात्रों को उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के लिए पुरस्कार भी प्रदान किए गए, जिससे छात्रों में उत्साह और प्रेरणा का संचार हुआ। कार्यक्रम का सफल समापन सभी अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए हुआ।

जयपुर मेट्रो डिपो में श्रमदान शिविर

जयपुर । जयपुर मेट्रो में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक "स्वच्छता ही सेवा अभियान-2024" स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता थीम पर जयपुर मेट्रो में आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत् मानसरोवर मेट्रो डिपो के बाहरी हिस्से में कर्मचारियों, अधिकारियों एवं समस्त स्टॉफ द्वारा श्रमदान किया गया। इस श्रमदान शिविर के दौरान श्रम सेवकों द्वारा मेट्रो डिपो के मुख्य गेट के आसपास अनावश्यक कांटेदार झाड़ियां, कीचड़, मिट्टी, गंदगी, कचरा एवं नालों की साफ-सफाई की गयी। इस अवसर पर जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वैभव गालरिया ने संदेश दिया कि स्वच्छता अभियान का उद्देश्य न केवल देश को स्वच्छ बनाना है, बल्कि सभी नागरिकों के भीतर स्वच्छता को एक आदत के रूप में स्थापित करना है।

कौशल शिविर में जुटे 3 हजार उम्मीदवार

जयपुर । उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय जयपुर द्वारा गुरुवार 26 सितंबर को सांभरलेक स्थित राजकीय शाकम्भर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक दिवसीय कौशल, रोजगार, उद्यिमता शिविर एवं करियर सेमिनार का आयोजन हुआ। उप-प्रादेशिक रोजगार कार्यालय की उप निदेशक श्रीमती नवरेखा ने समारोह में अपने अनुभव साझा किये और विद्यार्थियों को प्रेरित किया और रोजगार के अवसरों तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने बताया कि शिविर में 3 हजार 296 बेरोजगार युवा पंजीकृत हुए। शिविर में निजी क्षेत्र के 40 संस्थान एवं सार्वजनिक क्षेत्र के 8 संस्थानों ने भाग लेकर कुल 1 हजार 267 आशार्थियों को लाभान्वित किया। 707 आशार्थियों का प्रारम्भिक चयन, 350 आशार्थियों को प्रशिक्षण हेतु चयनित किया साथ ही 210 आशार्थियों का स्वरोजगार हेतु चयन किया गया। वहीं, करियर काउंसलिंग सत्र में विषय विशेषज्ञों ने युवाओं को बेहतर भविष्य की राह दिखाई। इस मेले को आयोजित कराने में आयकर अधिकारी रमेश सांभरिया, नागरिक विकास समिति, सांभर लेक के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल गटटानी, प्रोफेसर (डॉ.) ज्ञान प्रकाश दायमा जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

स्मैक तस्करी में लिप्त बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने ऑपरेशन आग और ऑपरेशन "क्लीन स्वीप" के तहत भांकरोटा इलाके कार्रवाई करते हुए स्मैक तस्कर व अवैध हथियार रखने वाले आरोपित करण सिन्धी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से 209 ग्राम 90 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक, अवैध पिस्टल और 52 हजार 600 रुपये व कार बरामद की है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित अवैध मादक पदार्थ अकलेरा झालावाड़ से लाकर जयपुर में सप्लाई करता है। जब्त की गई अवैध मादक पदार्थ स्मैक की अनुमानित बाजार मूल्य 10 लाख रुपये है। पुलिस आरोपित से पूछताछ करने में जुटी है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित करण सिन्धी अवैध मादक पदार्थ स्मैक अकलेरा झालावाड़ से लेकर आना बताया एवं अवैध हथियार के संबंध में बताया कि पिस्टल उसके पास काफी समय पहले की है। उसके काफी दुश्मन है उनसे बचने के लिये यह पिस्टल रख रखी थी। आरोपित अवैध मादक पदार्थ स्मैक मणिपाल यूनिवर्सिटी बगरु एवं भांकरोटा क्षेत्र में स्थित कॉलेजों के आस-पास सप्लाई करता है।गिरफ्तार आरोपी से अवैध मादक पदार्थ स्मैक एवं अवैध हथियार के सप्लायर एवं खरीददार के नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

अस्पताल में वृद्धा के जेवर चोरी

जयपुर । फोर्टिस अस्पताल में भर्ती महिला मरीज के कान से किसी ने जेवर चोरी कर लिए। घटना के सम्बंध में महिला के बेटे ने जवाहर सर्किल थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस के अनुसार झर बस्सी निवासी अजय कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि वह यातायात पुलिस में कांस्टेबल के पर कार्यरत है। उसकी मां की तबीयत खराब होने पर फोर्टिस अस्पताल में भर्ती करवाया था। 19 सितम्बर को मां से मिलने गया तो उनके एक कार के सोने के जेवर गायब मिला। जबकि जब मां को एडमिट करवाया तो उसने दोनों कानों में जेवर पहन रखे थे। पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एएसआई रामराज कर रहे हैं।

वेतन विसंगतियां दूर करने की मांग

जयपुर । मंत्रालयिक संवर्ग की वेतन विसंगतियों एवं अन्य समस्याओं के लिए राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के शिष्टमंडल ने अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ औश्र राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र सिंह नरूका के संयुक्त नेतृत्व में मुख्यमंत्री कार्यालय तथा मुख्य सचिव एवं अतिरिक्त वित्त सचिव को ज्ञापन दिया। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा में बजट सत्र के दौरान 1 सितंबर 2024 से सभी की वेतन विसंगतियां दूर करने की घोषणा के बावजूद सितंबर माह खत्म होने को है लेकिन अभी तक ना तो सांवत और खेमराज समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक की गई और ना ही कोई कार्यवाही की गई है। जिससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश प्राप्त है। गत सरकार में कैबिनेट द्वारा संस्थापन अधिकारी की ग्रेड पे 6000 से बढ़ाकर 6600 अनुमोदित कर दी गई थी , लेकिन अभी तक उसके आदेश नहीं निकले हैं । सचिवालय एवं अन्य संवर्गों की भांति मंत्रालयिक संवर्ग को दूसरी पदोन्नित पर ग्रेड पे 4200, संस्थापन अधिकारी के आगे उप निदेशक प्रशासन का पद सृजित करने, पदोन्नितयों के खिलाफ स्टे निरस्त करवाने आदि प्रमुख मांगे हैं। राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ की पुलिस अध्यक्ष राजेश पारीक एवं प्रदेश महामंत्री देवेंद्र सिंह नरूका ने कहा कि शीघ्र ही प्रांत स्तर की बैठक आयोजित कर आगे की रूपरेखा तय की जाएगी। ज्ञापन देने वाले शिष्टमंडल में गजेंद्र सिंह राठौड़, कुलदीप सिंह यादव, देवेंद्र सिंह नरूका, सतीश शर्मा, सुभाष लुगरिया आदि कर्मचारी नेता शामिल थे।

स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में अब मिलेगी विश्वस्तरीय रेडियोथैरेपी की सुविधा

चिकित्सा मंत्री ने अत्याधुनिक लीनियर एक्सीलेटर और सी.टी. सिम्युलेटर मशीनों का लोकार्पण किया

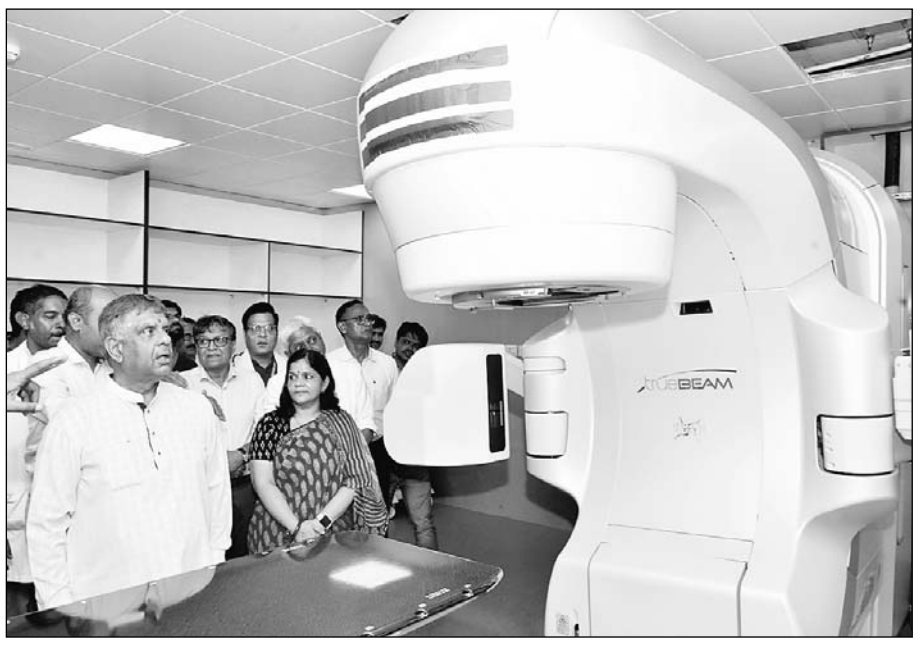

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में लीनियर एक्सेलरेटर मशीनों और सीटी सिम्युलेटर मशीन का लोकार्पण करने के बाद अवलोकन किया और डॉक्टर्स से इनके बारे में पूरी जानकारी ली।

जयपुर । स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में अब अत्याधुनिक रेडियो थैरेपी मशीन से कैंसर रोगियों को विश्व स्तरीय उपचार मिल सकेगा। यह मशीन बेहद कम समय में कैंसर ट्यूमर खत्म कर देती हैं। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने इंस्टीट्यूट में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग में स्थापित की गई लीनियर एक्सेलरेटर मशीनों व सीटी सिम्युलेटर मशीन का लोकार्पण किया। प्रदेश में रेडियोथेरेपी की यह नवीनतम मशीनें हैं।

इस अवसर पर चिकित्सा मंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि करीब 54 करोड़ रूपए की लागत से स्थापित इन अत्याधुनिक मशीनों के प्रारंभ होने से ब्रेस्ट, लंग, हैड और नेक कैंसर की जांच एवं उपचार में बड़ी मदद मिलेगी। लाखों रुपए खर्च कर होने वाला उपचार यहां नि:शुल्क प्राप्त हो सकेगा। इन मशीनों से ट्यूमर का पता लगाने एवं रेडियोथेरेपी में सटीकता आएगी तथा कैंसर रोगियों को विश्वस्तरीय उपचार मिल सकेगा। स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के अधीक्षक डॉ. संदीप जसूजा ने बताया कि रेडियोथेरेपी की ये लीनियर एक्सेलरेटर मशीनें कहीं अधिक फोकस रेडिएशन एक्सपोजर देती हैं। जिससे ट्रीटमेंट टाइम बहुत कम हो गया है और इलाज भी आसान हो गया है। नवीनतम मशीनें स्टीरियो टैक्सी सर्जरी कर सकती हैं, जिससे एक ही बार में ट्यूमर खत्म हो सकता है। साथ ही आस पास के कैंसर सेल्स भी खत्म हो जाते हैं। इसमें रेडिएशन का पूरा प्रोसीजर 2 मिनट में खत्म हो जाता है। पहले की तरह रेडियोथेरेपी कराने वाले मरीजों में त्वचा पर कालापन आने और दूसरे साइड इफेक्ट्स इस मशीन से नहीं होंगे। इसका सबसे बड़ा फायदा यह रहेगा कि रेडिएशन एक्सपोजर के समय आस पास के अंगों को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचेगा। नई सीटी सिम्युलेटर मशीन से मरीज को स्कैन कर उसके ट्रीटमेंट की प्लानिंग सॉफ्टवेयर में ही वर्चुअली ही की जा सकेगी। इससे इलाज और ज्यादा सटीक हो जाएगा और इलाज के दौरान होने वाली जटिलता का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा। ये सभी मशीनें शुक्रवार से सेवाएं देना शुरू कर देंगी। पूरे देश में कुछ ही सेंटर्स पर ऐसी तकनीक उपलब्ध है।

डेंटल कॉलेज में रेजिडेंट्स का प्रिंसिपल के खिलाफ प्रदर्शन

जयपुर । राजधानी के आरयूएचएस से संबद्ध शास्त्री नगर स्थित सरकारी डेंटल कॉलेज के रेजिडेंट्स डॉक्टर्स ने गुरुवार को प्रिंसिपल के खिलाफ मोर्चा खोलकर प्रदर्शन किया। रेजिडेंट्स ने प्रिंसिपल पर एक प्राइवेट महिला डॉक्टर का समर्थन करने का आरोप लगाते हुए कॉलेज में दखलअंदाजी का आरोप लगाया। हालांकि, प्रिंसिपल ने अपने उपर लगे इन आरोपों को झूठा बताया है।

शास्त्री नगर स्थित सरकारी डेंटल कॉलेज में रेजिडेंट चिकित्सकों ने जमकर हंगामा किया। प्रिंसिपल से इस्तीफा की मांग करते हुए स्ट्राइक कर दी और नारेबाजी की। नारेबाजी से नाराज होकर प्रिंसिपल ने प्रदर्शन के दौरान इस्तेमाल किए जा रहे पोस्टर्स को फाड़ दिया। रेजिडेंट्स डॉक्टर्स ने आरोप लगाए कि एक प्राइवेट प्रैक्टीशनर्स द्वारा रेजिडेंट चिकित्सकों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। रेजिडेंट्स का कहना है कि प्राइवेट प्रैक्टीशनर्स ओरल सर्जरी विभाग के सभी मामलों और मरीजों के इलाज की प्रक्रिया में दखलअंजादी करती हैं, जबकि उनका अस्पताल से कोई लेना-देना नहीं है।

रेजिडेंट चिकित्सकों ने यह भी कहा कि प्राइवेट डॉक्टर ओपीडी में रेजिडेंट के नाम पर अधीकृत मरीजों को बहला कर उनकी सर्जरी करती हैं। रेजिडेंट्स के साथ बदतमीजी करना उनका रोजमर्रा का काम है। रेजिडेंट्स का आरोप है कि डेंटल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विनय कुमार का उन्हें पूरा समर्थन है। इस मामले में पहले भी आरयूएचएस को शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है। रेजिडेंट्स डॉक्टर्स ने प्रिंसिपल को हटाने की मांग की है। कुछ समय पहले इस पूरे मामले को लेकर राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से एक नोटिस भी डेंटल कॉलेज को जारी किया गया था। इसमें डॉक्टर को लेकर जानकारी मांगी गई थी। इसके बावजूद रेजिडेंट चिकित्सकों का आरोप है कि कॉलेज ने इस मामले पर कोई कार्रवाई नहीं की।

'एमनेस्टी स्कीम के दायरे में आने वाले बकायादारों से करें वसूली'

खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने गुरूवार को अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व वृद्धि के मुद्दे पर चर्चा की।

जयपुर (कासं)। खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने विभागीय एमनेस्टी योजना के दायरें में आने वाले सभी बकायादारों को पत्र जारी करने के साथ सीधे संपर्क कर उन्हें विभागीय बकाया व ब्याजमाफी योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि इससे बकाया वसूली के प्रकरणों का निस्तारण होगा वहीं राज्य सरकार में राजस्व की प्राप्ति और बकाया वसूली में लगने वाले समय व धन की बचत होगी। उन्होंने स्थानीय स्तर पर ऐसा मंच बनाने पर भी जोर दिया जहां लीजधारकों और विभागीय अफसरों के बीच परस्पर समन्वय से खनिज गतिविधियों को और अधिक विस्तारित किया जा सके।

खान एवं पेट्रोलियम प्रमुख सचिव टी. रविकान्त गुरुवार को खनिज विभाग में खान एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारियों से रुबरु हो रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग को स्थानीय स्तर पर ऐसा मैकेनिज्म विकसित करना होगा जिससे लीजधारकों की स्थानीय स्तर की समस्याओं का समय रहते समाधान हो सके। इससे खोज खनन कार्य में आ रही बाधाएं दूर होगी तो खनन व राजस्व में बढ़ोतरी होने के साथ ही अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लग सकेगा। एमनेस्टी योजना की

- **'लीजधारकों और विभाग के बीच बेहतर समन्वय हों, स्थानीय स्तर पर समस्याओं का समाधान करें'**

चर्चा करते हुए कहा कि बकायादारों से वन टू वन संपर्क करने से पुरानी बकाया की वसूली हो सकेगी। इसके लिए समयवद्ध टाइमलाईन तय की जा सकती है।

रविकान्त ने खनिज पट्टों की नीलामी के बाद पट्टाधारकों के सामने आने वाली समस्याओं की और इशारा करते हुए कहा कि इससे खनन गतिविधियां आरंभ होने में देरी होती है और अन्य ब्लॉकों की नीलामी में भी विपरीत असर पड़ता है। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में गठित एसआईटी और माइनिंग कमेटी की मीटिंग से पहले इस तरह के बिन्दुओं को चिन्हित किया जाना चाहिए ताकि मीटिंग में हल निकाला जा सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि फील्ड में एलर्टनेस ने अवैध खनन गतिविधियों सहित बहुत सी समस्याओं का आसानी से समाधान हो सकता है। उन्होंने विधान सभा प्रश्नों, विशेष उल्लेख, ध्यानाकर्षण प्रस्तावों सहित विधान सभा से संबंधित लंबित प्रकरणों को शून्य स्तर पर लाने का कहा।

खराब सड़कों की मरम्मत के बजाय सही सड़कों पर डामरीकरण कर रहे हैं जे.डी.ए. के इंजीनियर्स

वंदे मातरम मार्ग पर पहले पेचवर्क कर लाखों रुपए बर्बाद किए, अब इस सड़क के नवीनीकरण के नाम पर पुनः डामर कर दी

वंदे मातरम और विजय पथ रोड पर जे.डी.ए. के इंजीनियर्स ने अच्छी-खासी सड़क का नवीनीकरण कर दिया।

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण के इंजीनियर्स की रूचि खराब सड़कों को सही करने की बजाय सही सड़कों का ही नवीनीकरण करने में हैं। ताजा मामला वंदे मातरम रोड और विजय पथ रोड का है। वंदे मातरम रोड बिलकुल सही है और ज्यादा टूटी हुई भी नहीं है। सड़क की चौड़ाई 200 फीट होने के कारण पानी का बहाव भी बरसात में आसानी से हो गया था। इस कारण सड़क नहीं टूटी। अब जेडीए ने इस सड़क के नवीनीकरण का काम हाथ में लेकर डामरीकरण शुरू हुआ है। डामर करने से पहले यहां डीबीएम किया जा रहा है। डीबीएम की मोटाई 50 एमएम होनी चाहिए लेकिन मौके पर 20 एमएम भी नहीं है। रोडी में डामर की मात्रा भी पूरी नहीं है।

वंदे मातरम मार्ग विजय पथ होटल हयात से शुरू होकर पत्रकार कॉलोनी, होता हुआ नारायण विहार में मिल जाता है। वर्तमान में वंदे मातरम मार्ग के आसपास की कालोनियों और विजय पथ पर जगह जगह सड़क बहुत ही खराब है। कई जगह तो टूट कर बिखर चुकी है। इस सड़क पर किसी तरह के पेचवर्क भी नहीं दिखे। केसर सर्किल पर तो हालात इतने बुरे है कि आए दिन दो पहिया वाहन चालक सड़क से निकली रोडी-कंक्रीट से फिसल कर अपने हाथ पैर तुड़वा रहे हैं। इसके साथ ही आसपास की कालोनियों में सड़कों की स्थित खराब है। कई कालोनियों में तो मिट्टी पड़ी हुई है । स्थानीय निवासी जेडीए जा जाकर थक गए है लेकिन जेडीए के जोन 8 के एक्सईएन को जनता की परवाह नहीं है।

अभी वंदे मातरम मार्ग पर ट्रेफिक की बहुतायत नहीं है। सड़कें सूनी रहती है। मात्र कुछ वाहन चल रहे हैं। सही सड़क का नवीनीकरण करने में लागत कम आती है जबकि टूटी-फूटी सड़कों को सुधार कर डामरीकरण करने में खर्चा भी अधिक आता है। सही सड़क पर डामर करने में ठेकेदार को बचत काफी अच्छी हो जाती है। जेडीए के जोन 8 के इंजीनियर्स की रुचि भी इन्ही सड़कों को ठीक करने में रहती है।

वंदे मातरम रोड पर कुछ दिन पहले ही पेचवर्क किया गया था। पेचवर्क भी बाकायदा मशीन और लेवल लेकर किया गया था। इसमें लाखों रुपए का खर्चा किया गया था। इसे अभी सात दिन भी नहीं हुए कि सड़क का नवीनीकरण शुरू कर दिया गया। जेडीए के जोन 8 के इंजीनियर्स को जब इस सड़क का नवीनीकरण और डामरीकरण ही करना था तो पेचवर्क नहीं करना चाहिए। ऐसे में जेडीए का तो पैसा बर्बाद हुआ ही साथ में पेचवर्क करना भी बेकार हो गया। इस सड़क की वर्तमान स्थिति को देख कर यहां पेचवर्क से भी काम चल सकता है लेकिन इंजीनियर्स ने इसे नहीं माना और जेडीए का धन बर्बाद करने में जुट गए।

जेडीए के जोन 8 के एक्सईएन नरेन्द्र अग्रवाल का कहना है कि नए सिरे से डामरीकरण का काम किया जा रहा है। इसे बिलकुल सही और प्रॉपर तरीके से किया जा रहा है। कोई भी इसे चैक करा सकता है। हम सही काम कर रहे हैं, लेकिन वे यह नहीं बता सके कि टूटी सड़कों को ठीक करने में समय क्यों लग रहा है, जिससे जनता को जल्द राहत मिल सके।